लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

'दुनिया में जो बदलाव वे देखना चाहते हैं उन्हें अपने जीवन में सबसे पहले उतारें'

विविध-16

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 7 अप्रैल, 2018

तकनीक के दौर में शोध कार्यों को बढ़ावा जरूरी

● एकेटीयू का डॉ. कलाम इनोवेशन, इन्क्युबेशन व स्टार्टअप सेंटर रोल मॉडलः मुकुल सिंघल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

तकनीक के इस दौर में शोध एवं नवाचारों की प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए इंटर-डिसिप्लिनरी और ट्रांस-डिसिप्लिनरी शोध कार्यों को बढ़ावा देना आवश्यक होता जा रहा है। एकेटीयू द्वारा विकसित डॉ. कलाम इनोवेशन, इन्क्युबेशन एवं स्टार्टअप सेंटर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में शोध कार्यों को गति प्रदान करने के लिए एक रोल माडल के तौर पर है। यह बात शुक्रवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेटिव गैलरी सेशन हेतु प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम के दौरान प्रमुख सचिव हैण्डलूम एवं टेक्सटाइल मुकुल सिंघल ने कहीं। अपने संबोधन में मुकुल सिंघल ने कहा कि विवि के द्वारा स्टार्टअप परिक्रमा के माध्यम से संस्थानों में जा कर छात्र-छात्राओं को नवाचारों के लिए प्रेरित करना तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठी पहल है। कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि

वर्तमान दौर आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस का दौर है। मैन और मशीन के बीच की दूरी समाप्त करने के लिए शोध कार्य किए जा रहे हैं। ऐसे में तकनीक और प्रकृति के मध्य सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी शोध कार्य किए जाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विवि में उत्कृष्ट इनोवेटिव आईडियाज की प्रदर्शनी लगाने के लिए विवि के विभिन्न सम्बद्ध संस्थानों के छात्र-छात्राओं के आइडियाज का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उनका चयन करना रहा। विगत में इस योजना के अंतर्गत विवि के सम्बद्ध संस्थानों की छात्र-छात्राओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसके उपरांत विशेषज्ञों के द्वारा 30 बेहतर आइडियाज को प्रस्तुतीकरण के लिए चयनित किया था। इनमें से 25 प्रतिभागियों ने प्रस्तुतीकरण दिया है। प्रस्तुतीकरण के उपरांत चयनित आइडियाज की लिस्ट के 10 अप्रैल तक घोषित होने की संभावना है। चयनित आइडियाज के प्रोटोटाइप विकास हेतु विश्वविद्यालय सीड मनी प्रदान करेगा। प्रोटोटाइप विकसित होने के उपरांत इन आइडियाज को इनोवेटिव गैलरी सेशन योजना के अंतर्गत विवि की डिजिटल लाइब्रेरी में दर्शकों हेतु प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में विवि के कुलसचिव ओपी रायए वित्त अधिकारी भानू प्रताप सिंह, सभी डीन एवं विभिन्न सम्बद्ध संस्थानों के लगभग 140 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नवाचारों और विचारों का पेटेंट करा लें

इंटर्नशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम नामक दो दिवसीय कार्यशाला में प्रमुख सचिव हैण्डलूम एवं टेक्सटाइल मुकुल सिंघल ने कहा कि हमें अपने नवाचारों और विचारों का पेटेंट अतिशीघ्र करवा लेना चाहिए, जिससे आइडियाज को रेवेन्यु माडल एवं बिसनेस माडल में बदलने में आसानी रहे। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य स्टार्ट-अप परिक्रमा के 30 चयनित प्रतिभागियों को रेवेन्यु माडल एवं बिजनेस माडल लिखने तरीका बताना है। जिससे स्टार्ट-अप परिक्रमा में चयनित इनोवेटिव आइडियाज को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके।